

गर्लफ्रेंड की सहेली और श्री-सम चुदाई -2

“ उसकी चूत एक उभार लेते हुए ऊपर को उठी हुई मुझको चूसने का लालच देने लगी । मैं जैसे ही उसकी पावरोटी सी फूली बुर को चूसने को हुआ.. तो कूलर के पास से कुछ गिरने की आवाज आई.. और मैं एकदम से रुक गया । ... ”

Story By: विवान श्रीवास्तव (fuckingvivaan)

Posted: मंगलवार, अप्रैल 19th, 2016

Categories: [कोई देख रहा है](#)

Online version: [गर्लफ्रेंड की सहेली और श्री-सम चुदाई -2](#)

गर्लफ्रेंड की सहेली और थ्री-सम चुदाई -2

अब तक आपने पढ़ा..

मैंने उसके टॉप के पीछे साइड से नीचे से हाथ डाल कर उसकी ब्रा को खोल दिया जिसमें मैं बहुत एक्सपर्ट था.. और हुक्स खोलते ही मैंने हाथ आगे की तरफ लाकर उसके मम्मों को ऊपर से छूने और मसलने लगा । वो गनगना उठी.. उसके टॉप को ऊपर उठाकर उसके मम्मों ब्रा के ऊपर से चूसने लगा और काटने लगा । जिससे उसकी ब्रा गोलाई में निप्पलों के पास से गीली हो गई ।

अब वो बोली- जान.. आराम से करो न.. मैं मानती हूँ तुम इतने महीनों के प्यासे हो.. और मैं भी हूँ..
मैंने उसकी बात पर ध्यान न देते हुए उसकी ब्रा और टॉप को उसके ऊपर से निकाल का फेंक दिया ।

अब आगे..

उसके बड़े 36 बी नाप के बड़े मम्मों को अपने हाथों में भर कर कसके मसलता हुआ चूसने लगा । मैंने उसके आमों को इतना अधिक चूसा कि जैसे मुझे ऐसा मौका दुबारा नहीं मिलेगा ।

मैंने उसके मम्मों चूस और काटकर लाल कर दिए ।

उस बीच आयशा मेरे बालों सहला और नोंच रही थी ।

उसने मेरी जीन्स से बेल्ट को ढीला कर दिया और मेरी आधी जीन्स नीचे तक खिसका दी। अब वो मेरी अमूल माचो की चड्डी के छेद में अपने पैर के अंगूठे को अन्दर डाल कर मेरे लण्ड को मसलने लगी.. और लौड़े को चड्डी से बाहर निकालने की कोशिश करने लगी। मैं उसकी नाभि को चाटने में मस्त था, उसकी नाभि को चाटते हुए मैंने धीरे से उसकी लोअर नीचे को खिसकाते हुए उसे पैन्टी में ला दिया।

मैं उसको लगातार चुम्मी करता हुआ.. उसकी चूत के हल्के बालों के पास आ गया.. और वाह.. चूत से क्या मस्त खुशबू आ रही थी।

मैं उसकी गाण्ड के नीचे हाथ फेरता हुआ उसकी चूत की भीनी-भीनी महक को सूंघने लगा।

फिर धीरे से मैंने उसकी चूत के बालों में अपना मुँह रगड़ना शुरू कर दिया.. और उसके लोअर को और नीचे करते हुए टाँगों से निकाल का दूर फेंक दिया।

अब तक हम दोनों गरम होकर पूरे नंगे हो चुके थे।

मैंने दीवान से नीचे उतर कर उसकी टाँगों.. पकड़ कर दीवान के किनारे ले आया.. उसकी दोनों टाँगों अब नीचे लटकने लगीं.. जिससे उसकी चूत एक उभार लेते हुए ऊपर को उठी हुई मुझको चूसने का लालच देने लगी।

मैं जैसे ही उसकी पावरोटी सी फूली बुर को चूसने को हुआ.. तो कूलर के पास से कुछ गिरने की आवाज आई.. और मैं एकदम से रुक गया।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मैंने आयशा से बोला- शायद कोई है.. जाओ जाकर देखो कौन हो सकता है ?

तो आयशा ने बोला- अरे छोड़ो यार.. बिल्ली आती-जाती रहती है.. तुम उसको छोड़ो यार..

लेकिन वो कोई बिल्ली नहीं थी.. वो प्रियंका उसकी सहेली थी.. जो कूलर के बगल से खुली

दरार से हमको देखने की कोशिश कर रही थी।

जरा सोचिए.. वो हम दोनों को पूरा नंगा देख रही थी और हमारी होने वाली चुदाई भी देखने में लगी हुई थी..

इतना तक तो ठीक था.. पर हमको नहीं पता था कि वो हमारा वीडियो भी बना रही है। यह सब हम दोनों को बाद उसके ब्लैकमेल करने पर पता चला।

खैर.. हम उस आवाज को नजरअंदाज करते हुए आगे अपनी काम-क्रीड़ा में लग गए.. और मैं उसकी मलाई जैसी चूत चूसने लगा.. साथ ही उसके क्लाइटोरिस के दाने को जीभ से सहलाने लगा।

वो चुदास की मदहोशी में पागल हो रही थी और अपनी चूत बार-बार ऊपर उठा रही थी। फिर मैंने उसकी चूत के छेद में अपनी बीच वाली उंगली डाली और अन्दर-बाहर करने लगा।

वो तो ऐसे कर रही थी जैसे मानो मर ही जाएगी.. और वो इसी उत्तेजना में अपनी चूत ऊपर को उठा रही थी।

मैं भी अपनी उंगली से उसकी चूत की चुदाई तेज करते हुए उसके दाने को बहुत तेज से चूसने लगा.. जिससे वो लगभग चरम सीमा पर पहुँचने वाली हो गई थी। मैंने अपनी उंगली से उसकी चूत के अन्दर के जी-स्पॉट को सहलाने लगा.. जिससे तो वो एकदम से पगला गई और अपने हाथों से मुझे रोकने की कोशिश करने लगी।

मैं बार-बार उसके हाथ हटा दे रहा था। मैं तेज-तेज उंगली करने लगा.. और दो एक साथ उंगलियां चूत में डाल दीं।

अब मैं अपनी पूरी गति अपनी उँगलियों को उसकी चूत में तेज-तेज अन्दर-बाहर करने

लगा.. जिससे वो अपनी गाण्ड नीचे से उठाते हुए.. ऊपर को उठा रही थी। उसके निप्पल पूरी तरह से टाइट दिख रहे थे और उसकी पीठ ऊपर को उठ रही थी। जिससे उसके बड़े-बड़े 36बी नाप के थिरकते हुए मम्मे मुझे बहुत ही मोहित और उत्तेजित कर रहे थे।

अब आयशा बोली- जान.. आप ऊपर आ जाओ.. हम 69 करते हैं। मुझे भी अपना लौड़ा चुसवाने का मन हो रहा था।

वो थोड़ा पीछे हो कर दीवान पर लेट गई और मैं उसके ऊपर अपने लण्ड को उसके मुँह में डालते हुए उसकी चूत की तरफ अपना मुँह ले जाता हुआ लेट गया।

अब वो मेरा लण्ड तेज से चूसने लगी.. जिससे मैं भी लौड़ा चुसवाने के मजे में पागल हो गया और मैं उसकी चूत में उलटे हाथ से उंगली करने लगा.. साथ ही सीधी दो उंगलियों से उसकी चूत को पेलने लगा।

इसी के साथ में दूसरे हाथ से उसकी क्लाइटोरिस को रगड़ने लगा।

अब हम दोनों की चुदास की आवाज तेज होने लगीं.. आहें गूँजने लगीं।

मैं कभी-कभी उंगली के साथ उसके दाने को चूसता रहा.. और वो मेरे लण्ड के गोटे को सहलाते हुए मेरा लण्ड चूसने में मस्त हो गई। कभी वो अपने एक हाथ से मेरी गोटियों को छेड़ती.. तो कभी मेरे लण्ड को आगे-पीछे करने लगी.. जिससे मैं एकदम पगला सा गया।

मैंने चुदास से भर कर उससे कहा- स्वीटी.. चल.. अब चुदाई करते हैं..

‘हाँ राजा.. आ जा.. अब मुझसे भी नहीं रहा जाता।’

मैं तुरंत उठ कर उसकी टाँगों के बीच में आ गया.. और अपने खड़े मोटे 7.5 इंच लम्बे लण्ड को उसकी चूत के मुँह में लगा दिया.. चूत भी लपलप करती हुई मेरे सुपारे को लीलने के लिए मानो एकदम तैयार थी।

मैंने एक ही झटके में अपना लम्बा लण्ड उसकी चूत में घुसेड़ दिया..

जिससे एक पल के लिए तो उसकी सांस रुकने के साथ एक तेज आवाज निकल पड़ी- ऊऊ..

जान.. पूरा क्यों डाल दिया.. पहले आधा डालते.. दर्द होता है..

मैंने बोला- अरे तुम ही तो कहती थी दर्द में भी मजा है।

मैं हँसते हुए तेज-तेज झटके मारने लगा..

वो मस्त 'आहें..' भर-भर कर चुदवा रही थी।

मेरे झटकों से पूरे कमरे में कामुक आवाजें गूँज रही थीं।

जब भी मेरा लण्ड उसकी चूत में 'थपाक..' से लगता.. तब तब आवाज आती.. और साथ ही आयशा कहती- ओह्ह.. जान मार ही डालोगे क्या ?

अब मैं उसकी टाँगों को कन्धों पर उठाकर तेज-तेज झटके मारने लगा।

वो मारे जोश में मुझे गालियां देने लगी- आह्ह.. साले हरामी.. चोद और तेज चोद..

कितनी दम है तेरे अन्दर.. आज दिखा.. चोद कुत्ते चोद.. साले हरामी मोटे लण्ड वाले.. चोद मेरी चूत को.. कमीने..

मैं गालियाँ सुन कर और जोश में आ गया और मैंने उसकी चूत में तेज-तेज झटकों की बरसात करना शुरू कर दी।

मेरा लण्ड बहुत तेजी से उसकी चूत से लड़ रहा था और वो पागलों की तरह खुद के निप्पलों को मसल रही थी।

मैंने देखा कि वो अपने दोनों बड़े-बड़े मम्मों को खुद अपने हाथों में लेकर मसलते हुए पूरे जोश में भींचते और दबाते हुए सीत्कार कर रही थी।

खुद के निप्पलों को रगड़ते हुए.. मेरे जिस्म का पूरा भार अपने मम्मों पर डलवाते हुए चुदाई करवाने लगी।

वो 'आहें..' भरते हुए अपनी आँखें बंद करके चूत की चुदास मिटवाने का मजा ले रही थी। जब-जब मैं तेज झटका मारता.. तो वो मुझे गाली देती- आह्ह.. कमीने फाड़ दे आज मेरी चूत.. अपने मोटे लण्ड से हरामी.. साले.. कहाँ से ऐसा लण्ड लाया.. चोद कुत्ते.. चोद अपनी कुतिया को.. चीखने दे कुतिया को.. अपनी.. आह्ह.. चोद साले..

मैं उसकी गाली सुन कर उसको 'दे..दनादन..' चोदे जा रहा था। करीब 50 से 60 झटके मारते ही मेरी गर्लफ्रेंड आयशा अकड़ गई.. और उसने अपनी चूत का पानी छोड़ दिया। लेकिन अब तक मेरा फॉल नहीं हुआ था.. क्योंकि मैं रोजाना ही हाथ-गाड़ी चलाता हूँ न..

चूत झड़ते ही वो एकदम निढाल हो गई थी.. लेकिन मैं उसको अपने लण्ड से पेलता रहा.. और वो मुझको गरम करने के लिए गालियाँ देती रही।

'आह्ह.. विवान चोदो.. अपनी कुतिया को.. फाड़ दो चूत मेरी.. देखो महीने भर से तरस रही थी.. चोदो और तेज चोद हरामी चोद साले.. कमीने चूत नहीं देखी ना तूने महीने भर से.. ले अब चोद.. मिल गई.. चोद कुत्ते चोद..'

वो बीच-बीच में 'आहें..' भरकर मेरे को गरम कर रही थी 'आह्ह.. विवान चोदो ना.. अपनी कमीनी कुतिया को.. आह इसी तरह और तेज.. चोद.. और तेज..'
मैं झटके पे झटके मारता रहा.. चुदाई की आवाजें गूँजती रहीं।

कमरे में कूलर चलने के बावजूद मैं पसीने से तर था.. और तब भी मैं धकापेल चोदे जा रहा था।

वो अब हल्का ऊपर उठ कर मेरे निप्पलों को अपने अंगूठे से नोंचने लगी.. जिससे मैं एक्साइट होकर एकदम से भड़क गया और मेरा पानी निकलने को था।

मैं थोड़ा एँठता हुआ अपना लण्ड बाहर निकालने लगा और थोड़ा आगे-पीछे करके.. मेरा

पानी तेज पिचकारी जैसे उसके मम्मों पर जाकर गिरा.. और फिर धीरे-धीरे पानी को मैंने उसकी नाभि में भर दिया.. उसके पेट का छेद पूरा भर गया और बहते हुए चूत के ठीक ऊपर लकीर बनाते हुए चूत की फांक में घुसने लगा। मैंने रस को चूत में जाते हुए देखा तो हँसते हुए बाहर निकाल दिया- किधर पार्टी करवाने घुस रहा है मादरचोद..

आयशा हँस पड़ी.. मैं उसके बगल में सीधे लेट गया वो मुझसे लिपट गई। थोड़ी देर हम यूँ ही लेटे होंगे कि कोई हमारे कमरे का दरवाजा बहुत जोर से पीटने लगा.. हम दोनों डर गए।

दोस्तो, मुझे इस चुदाई में जो आनन्द आ रहा था.. वो मैं आपको हूबहू बताने का पूरा प्रयास कर रहा हूँ। इस घटना का पूरा मजा लेने के लिए आप सभी मेरे साथ बने रहिये और मुझे अपने विचारों से जरूर अवगत कराएं।
आपका दोस्त विवान

कहानी जारी है।

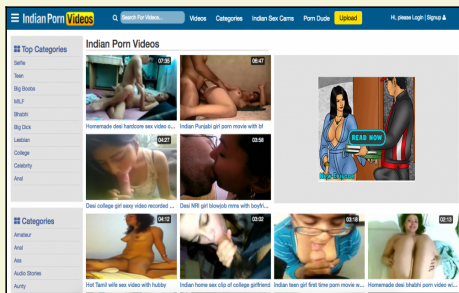
vivaansrivastava@rediffmail.com

shobhitkumarmehrotra@rediffmail.com



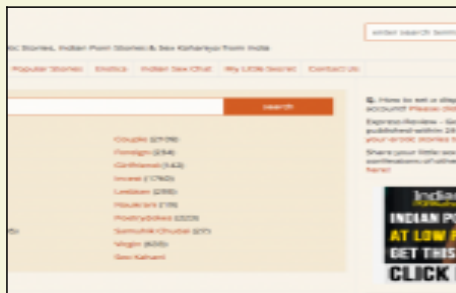
Other sites in IPE

Indian Porn Videos



URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Desi Tales



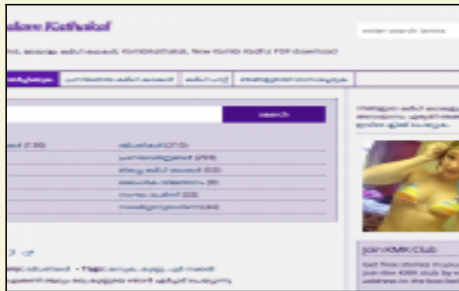
URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Antarvasna Hindi Stories



URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Kambi Malayalam Kathakal



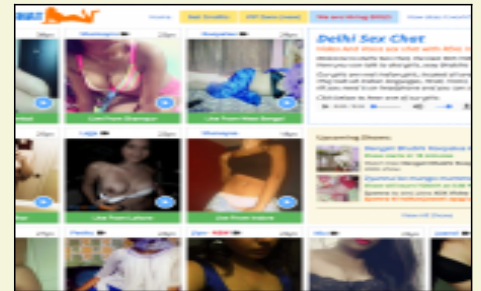
URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

FSI Blog



URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.

Delhi Sex Chat



URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.